खास-खबरें

मंत्री सिलावट ने ग्राम पंचायतों को सौंपे पांच पेयजल टेंकर

भोपाल। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत इंदौर के विधानसभा क्षेत्र सांवेर में विधायक निधि से 7 लाख 83 हजार 670 रुपए की लागत के 5 पेयजल टेंकरों की सौगात दी है।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट तथा पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने जानकी नगर इंदौर में उक्त 5 टेंकर संबंधित ग्राम पंचायतों को पेयजल पूर्ति के लिये सौंपे, जिससे गर्मी में आम जनता को पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित होगी और सभी को घरों में पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

आजादी का अमृत महोत्सव

भोपाल। आजादी की 75वीं वर्षगाँठ को समर्पित आजादी का अमृत महोत्सवज् के तहत आज संविधान निर्माता बाबा साहेब बी.आर. अम्बेडकर की जन्म-स्थली अम्बेडकर नगर (महू) में तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का शुभारम्भ पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर तथा जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री कविता पाटीदार सहित अन्य जन-प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने लगाया चांदनी का पौधा

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट उद्यान में चांदनी का पौधा लगाया। इस अवसर पर पूर्व महापौर आलोक शर्मा उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक परिवार पौधे लगाए। मांगलिक अवसरों पर पौधे लगाए जाये। हर व्यक्ति अपने जन्म-दिन के अवसर पर अवश्य पौधे लगाए। इसी तरह परिवार के दिवंगत सदस्य की स्मृति में उनकी पुण्यतिथि पर पौधे लगायें।

मप्र विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम एवं प्रमुख सचिव ए पी सिंह ने शुक्रवार को कोविड टेस्ट करवाया। दोनों की रिपोर्ट निगेटिव आई है।

उरांव जनजातीय नृत्य की प्रस्तुति

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में आयोजित बहुविध कलानुशासनों की गतिविधियों एकाग्र 'गमक' श्रृंखला अंतर्गत आज आदिवासी लोककला एवं बोली विकास अकादमी द्वारा सुश्री महंत मायादेवी अंजना और साथी, उज्जैन द्वारा मालवी 'लोक भजन' एवं सुश्री सुमंती देवी भगत और साथी, भोपाल द्वारा उरांव जनजातीय नृत्य 'उरांव' की प्रस्तुति हुई। सांगीतिक प्रस्तुतियों की शुरुआत सुश्री महंत मायादेवी अंजना और साथियों द्वारा मालवी लोक भजनों से हुई । आपने हारो रे कोई हारो रे, संसार करम से हारो रे', 'कैसो आयो है बंजारा, काशी लियायो माल अपार', 'आपही खेल-खिलाड़ी मारा सतगुरु', 'या गाड़ी म्हारा देश की, थामे सतगुरु बैठा जी', 'बरसन लगयो रंग सबद झड़ लगो जी', 'सतगुरु मिल्या भरम म्हारा भाग्य' एवं 'होली खेले है संत सुजान आतम राम से' आदि लोक भजन प्रस्तुत किये। दूसरी प्रस्तुति सुश्री सुमंती देवी भगत और साथियों द्वारा उरांव जनजातीय नृत्य 'उरांव' की हुई जिसमें सुश्री सुमंती देवी भगत के साथ श्रीमती सुमित्रा भगत, श्रीमती ननकी भगत, झेबो भगत, नमिता भगत, श्रीमती अनिता भगत, श्रीमती जलसी, सुश्री बबीला भगत, सुश्री अनामिका भगत, राजमोहन राम, फूलचंद राम, श्री जितेंद्र भगत, सिहानू भगत एवं श्री बबलू भगत ने नर्तन में सहभागिता निभाई।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शौर्य स्मारक स्थल पर आजादी का अमृत महोत्सव का किया शुभारंभ

हमें गलत इतिहास पढ़ाया, कई क्रांतिकारियों के बारे में नहीं बताया

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को शौर्य स्मारक स्थल पर आजादी का अमृत महोत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के बीच में बारिश शुरू हो गई। मुख्यमंत्री कार्यक्रम में मौजूद बच्चों से बोले बारिश में डर तो नहीं लग रहा। अब मैं भी पानी में आकर बोलूंगा और तुम भी पानी में सुनना। हालांकि हल्की बारिश होने के बाद बंद हो गई।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में स्वतंत्रता आंदोलन संघर्ष की अमर गाथाएं और बलिदानियों को याद किया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अब चिन्हित बच्चो को अंडमान और निकोबार स्थित सेल्यूलर जेल की यात्रा भी साल में एक बार कराई जाएगी। वह जेल किस तरह की बनी है। वहां कैसे हमारे क्रांतिकारी रहते थे ये दिखाया जाएगा।

केंद्र सरकार ने स्वाधीनता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर स्वाधीनता दिवस 2022 के पूर्व 75 सप्ताह तक आजादी का अमृत महोत्सव पूरे देश में मनाने का निर्णय लिया है। इसके तहत ही प्रदेश में अमृत महोत्सव कार्यक्रम का अयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 हजार साल पुराना इतिहास है हमारा। यह अलग बात है बीच मे हम गुलाम बने अपनी कमजोरियों के कारण। राजा आपस में लड़ते रहे और गोरे आये व्यापार करने और भारत को गुलाम बना लिया। उन्होंने कहा कि हमें गलत इतिहास पढ़ाया गया। कई क्रांतिकारियों के बारे में बताया ही नहीं गया। आजादी के वीरों को प्रणाम करके हम संकल्प लेते हैं देश के लिए जिएंगे देश के लिए मरेंगे।

आजादी के बाद 30 हजार सैनिक शहीद हुए हैं। हम चैन से इसलिए बैठे हैं क्योंकि सीमाओं पर हमारे सैनिक डटे हैं। देश के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए हम भी तैयार रहेंगे। मुख्यमंत्री ने एनसीसी और एनएसएस कैडेट्स की तारीफ की। मुख्यमंत्री ने कहा - हम प्रदेश के हर स्कूल में एनएसएस और एनसीसी शुरू करने का प्रयास करेंगे। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उल्लेख किया। शिवराज बोले अपने मोदी जी अद्भुत नेता हैं। पाकिस्तान को भी कोरोना की वैक्सीन दे रहे हैं। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, एमएसएमई मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा, स्वास्थ्य मंत्री प्रभूराम चौधरी, विधायक कृष्णा गौर पूर्व महापौर आलोक शर्मा, और फिल्म निर्देशक प्रकाश झा मौजूद थे।

प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शौर्य स्मारक में ब्यूरो ऑफ आउटरीच कम्युनिकेशन, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संस्कृति विभाग, मध्य प्रदेश शासन के सहयोग से आयोजित आज़ादी का अमृत महोत्सव प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। श्री चौहान ने कहा कि इस प्रदर्शनी में 1757 से लेकर 1947 तक की आजादी के संघर्ष में अपना सर्वस्य न्यौछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने अपील की कि लोग बड़ी संख्या में आएं और प्रदर्शनी देखें। पांच दिवसीय इस प्रदर्शनी में आजादी के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। स्वतंत्रता संघर्ष में महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल और नेताजी सुभाष चंद्र बोस का योगदान प्रदर्शनी का केंद्र बिंदु हैं। साथ ही मध्य प्रदेश के स्थानीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को भी प्रदर्शनी में चित्रों के माध्यम से व्यक्त किया गया है। प्रदर्शनी 16 मार्च तक चलेगी।

बरसते पानी में टेबल पर चढ़े शिवराज और गाने लगे-ये देश है वीर जवानों का...

मुख्यमंत्री ने बरसते पानी में टेबल पर खड़े होकर युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस का नाम लिए बिना कहा कि, देश में गलत इतिहास पढ़ाया गया है। कई क्रांतिकारियों को भुला दिया गया।उन्होंने युवाओं से कहा कि हर एक को संकल्प लेना चाहिए कि आप देश के लिए जीएंगे। उन्होंने कार्यक्रम के आखिरी में देश भक्ति गीत गाया। यह देश है वीर जवानों का, अलबेलों का मस्तानों का। सीएम शिवराज का यह अंदाज देखकर युवा भी झूमने लगे। इससे पहले सीएम शिवराज ने शौर्य स्मारक पर जय स्तंभ पर पुष्प अर्पित कर स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को नमन किया। सीएम शिवराज ने इस मौके पर शौर्य स्मारक पर लगाई प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया। प्रदर्शनी में स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन पर आधारित गाथा बतायी गयी है। खजुराहो सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वी.डी. शर्मा ने कहा कि स्वतंत्र भारत की युवा पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान से अवगत कराने में आजादी के अमृत महोत्सव की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। श्री शर्मा ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार माना। उन्होंने युवा पीढ़ी से देश की प्रगति और उन्नति के लिए संकल्प लेने का आव्हान किया। कार्यक्रम समापन राष्ट्र-गान से हुआ।

हेल्थ सर्विस कमिश्नर पर राज्य सूचना आयोग की बड़ी कार्यवाही

दस हजार हर्जाने के तौर पर अदा करने के आदेश

भोपाल(काप्र)।

राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने संजय गोयल आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं को दो अलग अलग प्रकरणों में उन्हीं के विभाग के नर्स को कुल 10 हजार की रकम हर्जाने के तौर पर अदा करने के आदेश दिए हैं।

इसी आदेश में सिंह ने सतना के पूर्व सिविल सर्जन डॉ. एसबी सिंह को कुल पॉच हजार का व्यक्तिगत जुर्माना अदा करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। विभाग की नर्स तरुणलता नंदा ने अपने सर्विस रिकॉर्ड एवं अवकाश से संबंधित जानकारी आरटीआई के माध्यम से मांगी थी। राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने कहा कि तरुणलता नंदा को मांगी गई जानकारी प्राप्त करने का अधिकार ना केवल सूचना के अधिकार अधिनियम बल्कि शासन के नियमों के अनुसार भी था। शासकीय सेवा में हर कर्मचारी और अधिकारी का अधिकार है कि वह अपनी सर्विस बुक एवं अवकाश संबंधी जानकारी को प्राप्त कर सके। सूचना आयुक्त द्वारा इस प्रकरण में पूर्व सिविल सर्जन को धारा 7 (1) एवं धारा 7 (8) (2) (3) के उल्लंघन का दोषी पाया है। सिंह ने कहा कि अधिकारी की लापरवाही की वजह से जो जानकारी मात्र 30 दिन में मिलनी थी उसको प्राप्त करने में 2 साल से ऊपर का समय लग गया।

आईपीएस के 20 पदों के लिए केंद्र और राज्य में खींचतान

भोपाल (काप्र)।

मप्र में आईपीएस के कॉडर रिव्यू को लेकर केन्द्र और राज्य के बीच खींचतान शुरु हो गई है। डीओपीटी का कहना है कि मप्र को मौजूदा कॉडर के पांच फीसदी पद बढ़ाने की ही मंजूरी दी जा सकती है इस मान से केवल 175 से अधिक के कॉडर को मंजूरी दिया जाना संभव नहीं है वहीं मप्र ने न्यूनतम 195 पदों का कॉडर करने की मांग की है।

मप्र ने प्रदेश में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मूवमेंट चलाने, एंटी करप्शन मूवमेंट चलाने और राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों को पदोन्नति देने के लिए 195 कॉडर की मांग की है। मप्र और डीओपीटी के बीच चल रहे इस खींचतान और बार्गेनिंग पर अब डीओपीटी को ही फैसला करना है। मप्र में इस समय आईपीएस के 166 कॉडर पद है। मप्र के गृह मंत्रालय ने पुलिस मुख्यालय के प्रस्ताव के आधार पर 39 नए पद मांगे थे। कॉडर रिव्यू में एडीजी के 16 नए पद शामिल किए गए है। राज्य सरकार ने पुलिस ट्रेनिंग के स्पेशल डीजी, जबलपुर होमगार्ड आईजी, आईजी पीटीआरआई, आईजी पीटीआरआई, आईजी जेएनपीए सागर और आईजी आरएपीटीसी इंदौर के पद समाप्त करने का प्रस्ताव भी दिया है। मप्र के गृह मंत्रालय डीओपीटी के प्रस्ताव पर कॉडर पदों में कमी के लिए तैयार हुआ है लेकिन मंत्रालय का कहना है कि प्रदेश में न्यूनतम 195 पदों का आईपीएस कॉडर जरुरी है। मप्र में नक्सल गतिविधियों को रोका जाना है। एंटी करप्शन मूवमेंट चलाया जाना है। अवैध खनन, मिलावटखोरी रोकने के काम होना है। भूमाफिया, आपराधिक तत्वों पर कार्यवाही करना है। प्रदेश में सायबर अपराध बढ़ रहे है। इन्हें रोकने के लिए विशेषज्ञ अफसरों की तैनाती करना है। राज्य पुलिस सेवा के अफसरों को अभी आईपीएस बनने में 28 से 30 साल लग रहे है। यदि पद नहीं बढ़ते है तो कई अफसर बिना आईपीएस बने ही सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इसलिए ज्यादा पद जरूरी है। उधर डीओपीटी का तर्क है कि सभी राज्यों से कॉडर रिव्यू के प्रस्ताव आते है। सभी राज्यों को वहां की आबादी के हिसाब से कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पदों का आवंटन करना पड़ता है। मप्र की मांग बहुत अधिक है। मौजूदा कॉडर संख्या से केवल पांच फीसदी ही वृद्धि की अनुमति दिया जाना संभव है। यदि मप्र को अधिक पद दिए तो अन्य राज्यों से भी मांग आएगी और फिर मुश्किल बढ़ जाएंग।

हुनर हाट में होंगे देश की विविध रंगी संस्कृति और स्वदेशी के दर्शनः नकवी

भोपाल (काप्र)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल के मंत्र और अवधारणा के अनुरूप भोपाल में आयोजित 10 दिवसीय हुनर हाट में नागरिकों को स्वदेशी कलाकारों ,दस्तकारों और कारीगरों के हुनर के कमाल के साथ स्वदेशी का धमाल देखने को मिलेगा।

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने यह बात आज भोपाल में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। श्री नकवी ने बताया कि भोपाल में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय द्वारा आयोजित इस 10 दिवसीय हुनर हाट का शनिवार 13 मार्च को प्रात: मुख्यमंत्री शिवराज सिंह उद्घाटन करेंगे। इसमें विभिन्न राज्यों के कलाकारों, दस्तकारों और कारीगरों द्वारा निर्मित वस्तुओंको देखने और खरीदने के साथ-साथ भोपाल के लोगों को देश के लगभग हर प्रांत के व्यंजनों का स्वाद चखने का मौका भी मिलेगा।उन्होंने कहा कि इस हॉट में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 20 से ज्यादार कलाकारों के स्टाल भी शामिल है। उन्होंने बताया की भोपाल के लाल परेड पुलिस ग्राउंड पर आयोजित इस हुनर हाट में रोजाना देश के नामचीन कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आमजन आनंद ले सकेंगे। श्री नकवी ने कहा कि दस्तकारों, कलाकारों और शिल्प कारों की कला ही उनकी इबादत है और यही हुनर हाट के आयोजन का मूल मंत्र या कांसेप्ट है। हुनर हाट के आयोजन के माध्यम से स्वदेशी को बढ़ावा और स्वावलंबन को प्रोत्साहन देना उनके मंत्रालय और सरकार की मंशा है।उन्होंने कहा कि भोपाल में आयोजित हुनर हाट में महात्मा गांधी की दांडी यात्रा के दर्शन भी नागरिकों को होंगे।

महात्मा गांधी की दांडी यात्रा शुरू करने की तिथि से ही आज प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देशभर में आजादी के अमृत महोत्सव के सिलसिले में 75 सप्ताह के आयोजनों की शुरुआत में हुनर हाट का यह विनम्र योगदान है। श्री नकवी ने कहा की आजादी के अमृत महोत्सव मैं विनम्र योगदान देने के क्रम में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय द्वारा आगामी समय में देश के विभिन्न राज्यों में 75 हुनर हाट का आयोजन किया जाएगा और हर हुनर हाट में हमारी आजादी और आजादी के संघर्ष से जुड़े हुए किसी न किसी ऐतिहासिक घटना का चित्रण भी किया जाएगा। इन 75 हुनर हाट के माध्यम से 50,000 से ज्यादा स्वदेशी कलाकारों दस्तकारों और कारीगरों को रोजगार भी मिलेगा।

खास खबर | राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम.....

स्वतंत्रता का मूल अभिप्राय स्व को स्थापित करना हैः डॉ. उपाध्याय

भोपाल(काप्र)।

स्वतंत्रता का अभिप्राय केवल राजनितिक आज़ादी के रूप में नहीं होता बल्कि प्रत्येक क्षेत्र में स्व को प्राप्त करना तथा तंत्र के साथ उसका समन्वय स्थापित करते हुए देश की दिशा तय करना यह वास्तविक स्वतंत्रता होती है।

भारत के लिए परतंत्रता के दौर में अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले राष्ट्रभक्त सैनानियों के मन में यही भाव था कि हम स्वतंत्र उस समय कहलायेंगे जब सब कुछ अपना होगा। उक्त विचार भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् (आईसीएचआर), नई दिल्ली के शोध एवं प्रशासन निदेशक, डॉ. ओम जी उपाध्याय ने राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किये गए आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम में व्यक्त किये।

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर भारत की आज़ादी के 75वे वर्ष को समारोहपूर्वक मनाने की श्रृंखला में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण, विद्यार्थी तथा आरजीपीवी की एनएसएस एवं एनसीसी यूनिट के वालंटियर्स उपस्थित थेद्य कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुनील कुमार ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. उपाध्याय ने कहा की अंग्रेजों ने नस्लभेद एवं रंगभेद का सहारा लेकर भारत पर राज़ किया तथा उन्होंने भारत की संस्कृति तथा समाज पर टिप्पणी की, उन्होंने यह बताने का प्रयास किया कि भारत कभी राष्ट्र नहीं रहा अपितु विदेशी आक्रान्ताओं ने समय समय पर यहाँ शासन कियाद्य दुर्भाग्यवश स्वतंत्रता के पश्चात भी इतिहासकारों ने देश को आक्रमण का इतिहास तो बताया किन्तु उससे प्रतिकार करने का भारतीय राष्ट्रवादी प्रयास का चित्रण इतिहास की पुस्तकों में नहीं किया, हमें पश्चिम के नज़रिए से भारत को दिखाया गया जिसके कारण हम स्वत्त्व के भाव से दूर रहे। हमारी भाषा को मिटाकर अंग्रेजों ने हमारी मूल चिंतन धारा से अलग करने का प्रयास किया है। आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम अगले 75 माह तक हमें इस बात की प्रेरणा देगा की हम अपने स्वत्व का विचार करें तथा आत्मनिर्भर भारत की ओर बढें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि स्वत्त्व का भाव व्यक्ति में चेतना जागृत करता है आज़ादी के अमृत महोत्सव के माध्यम से देश के नागरिकों के मन में भारत बोध का भाव प्रबल करने का एक अविरल प्रयास है। यह राष्ट्रभक्ति जागृत करने का एक अभिनव प्रयास सिद्ध होगा। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. शशिरंजन अकेला ने किया।